सौश्रुतम 2024

चर्चा में क्यों?

हाल ही में [अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (AIIA)](#) के **शल्य तंत्र विभाग** ने **सुश्रुत जयंती-2024** के अवसर पर **द्वितीय राष्ट्रीय संगोष्ठी सौश्रुतम (SAUSHRUTAM) शल्य संगोष्ठी** का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

//

मुख्य बिंदु

- **[शल्य चिकित्सा के महान जनक](#)** सुश्रुत के सम्मान में प्रतिवर्ष **15 जुलाई** को **सुश्रुत जयंती** मनाई जाती है।
- वह **काशी** (लगभग 7वीं शताब्दी ईसा पूर्व) **के एक प्राचीन भारतीय शल्य चिकित्सक थे** और उन्होंने चिकित्सा तथा शल्य चिकित्सा पर एक व्यापक पाठ्यपुस्तक **'सुश्रुत संहिता'** लिखी थी।
- सुश्रुत संहिता को **पाँच प्रमुख भागों** में विभाजित किया गया है:
    - **सूत्रस्थान (Sutrasthana):** चिकित्सा विज्ञान और औषध विज्ञान के मूल सिद्धांतों से संबंधित प्राथमिक सिद्धांत;
    - **निदान (Nidana):** यह रोगात्मक अवधारणाओं से संबंधित है;
    - **सरिरस्थान (Sarirasthana):** मानव शरीर रचना विज्ञान पर;
    - **चिकित्सास्थानम (Chikitsasthanam)**: चिकित्सा और शल्य चिकित्सा प्रबंधन पर;
    - **कल्पस्थानम (Kalpasthanam):** विष विज्ञान पर।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/saushrutam-2024